प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.49/2025)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
नई दिल्ली, 19 जून, 2025

तुरंत जारी करने हेतु वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए
"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने **31 मार्च, 2025** को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1 जनवरी, 2025 से 31 मार्च, 2025** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** और लिंक http://www. trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री विजय कुमार, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-+91-20907773 एवं ई-मेल advfea1@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

(एस.बी. सिंह)
सचिव-प्रभारी, भा.दू.वि.प्रा.

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट
जनवरी से मार्च, 2025

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या मार्च, 2025 के अंत में घटकर 969.10 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 970.16 मिलियन थी जिसमें 0.11% की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। कुल 969.10 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 41.41 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 927.70 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

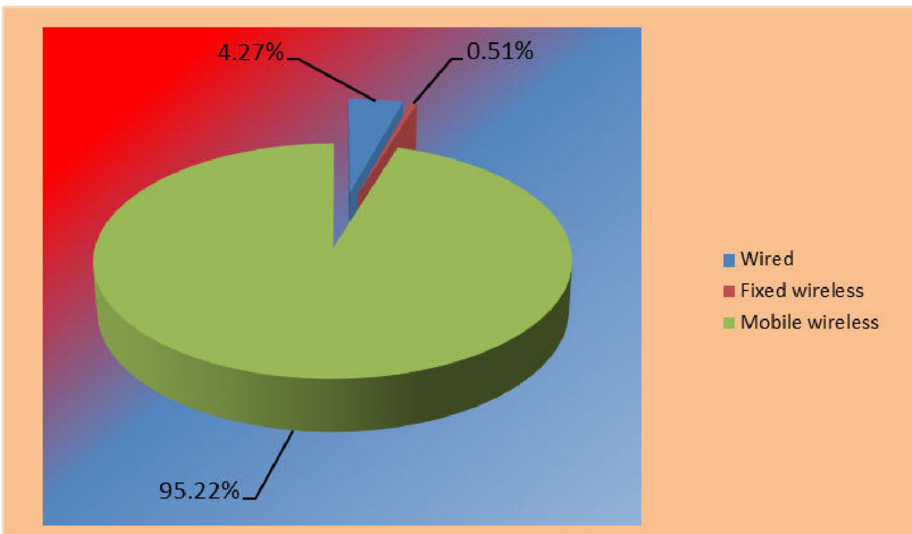

2. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 944.12 मिलियन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 24.98 मिलियन है।

3. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत में घटकर 944.12 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 944.96 मिलियन थी जिसमें 0.09% की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत में घटकर 24.98 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 25.20 मिलियन थी।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत में घटकर 37.04 मिलियन हो गयी जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 39.27 मिलियन थी जिसमें 5.67% की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। यह कमी 5जी एफडब्ल्यूए ग्राहकों को वायरलेस श्रेणी में शामिल करने के कारण हुई है। मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 9.62% की वृद्धि दर्ज की गई।

5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 2.79% की तिमाही ह्रास दर के साथ मार्च, 2025 के अंत में घटकर 2.62% हो गया जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 2.79% था।

6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 0.64% तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 182.95 रुपए हो गया जो कि दिसम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही को 181.80 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 19.16% की दर से वृद्धि हो गया।

7. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में 182.53 रूपए और इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू 187.48 रुपए है।

8. अखिल भारतीय औसत पर, प्रति माह कुल एमओयू दिसंबर 2024 की तिमाही में 1009 से 1.64% बढ़कर मार्च 2025 की तिमाही में 1026 हो गया।

9. वारयलेस प्रीपेड सेवा के लिए मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह 1074 और पोस्ट-पेड सेवा के लिए 514 था।

10. मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमश: 98,250 करोड़ रुपए, 92,618 करोड़ रुपए तथा 79,226 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 1.93% की एपीजीआर में 0.30% की और एजीआर में 1.66% की वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर, एपीजीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 11.74%, 10.33% तथा 12.44% दर्ज की गई।

12. मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए 9.91% की ह्रास दर के साथ पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 14,410 करोड़ रुपए से घटकर 12,982 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 3.71% ह्रास दर दर्ज की गई।

13. मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 6,340 करोड़ रुपए हो गया जो कि दिसम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 6,234 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 1.69% तथा 12.46% रही।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

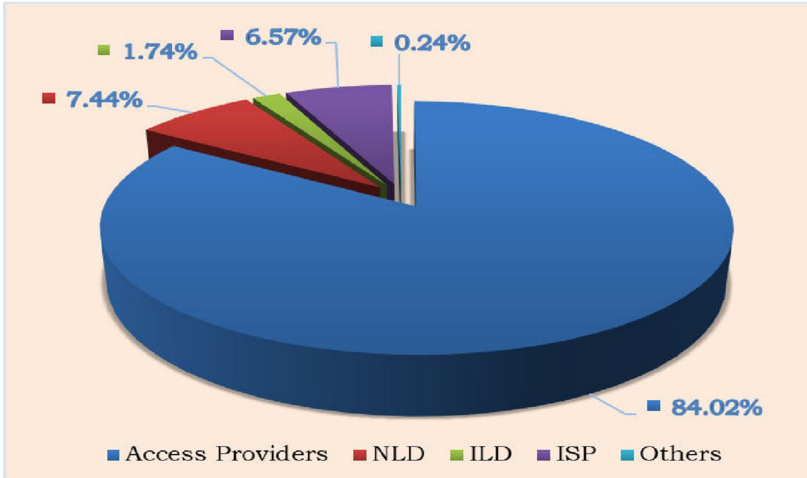

14. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 84.02 प्रतिशत का योगदान दिया। मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 2.16%, 0.85%, 1.25%, 1.29%, 1.16% एवं -1.03% की वृद्धि दर दर्ज की गई।

15. देश में कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत में बढ़कर 1200.80 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 1,189.92 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.91% की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर भी दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 0.13% की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 दिसम्बर, 2024 को 84.45% से बढ़कर 31 मार्च, 2025 को 85.04% हो गई।

<u>देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान</u>

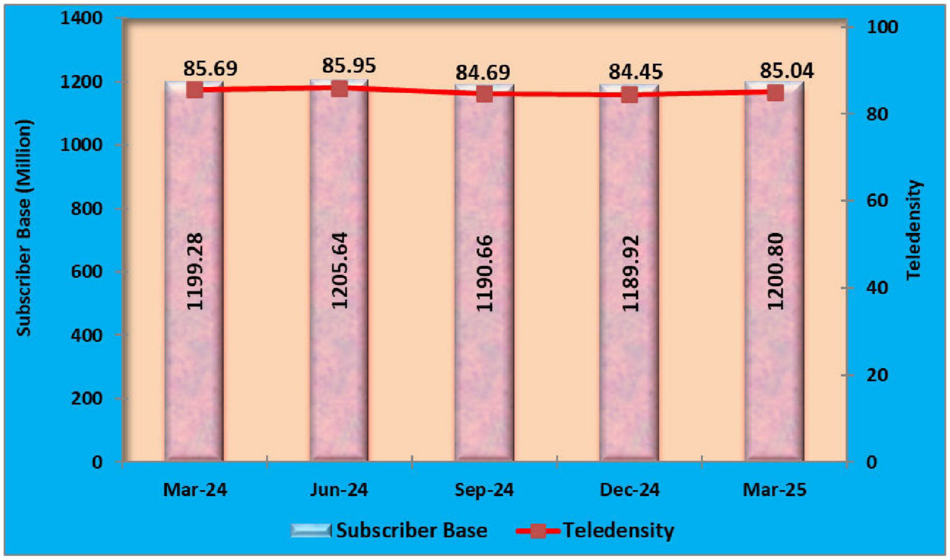

16. मार्च, 2025 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 666.11 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 662.72 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 131.37% से बढ़कर 131.45% हो गया।

17. मार्च, 2025 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 534.69 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर 2024 के अंत तक 527.20 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 58.29% से बढ़कर 59.06% हो गया।

18. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2025 के अंत तक बढ़कर 44.53% हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत तक 44.31% थी।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

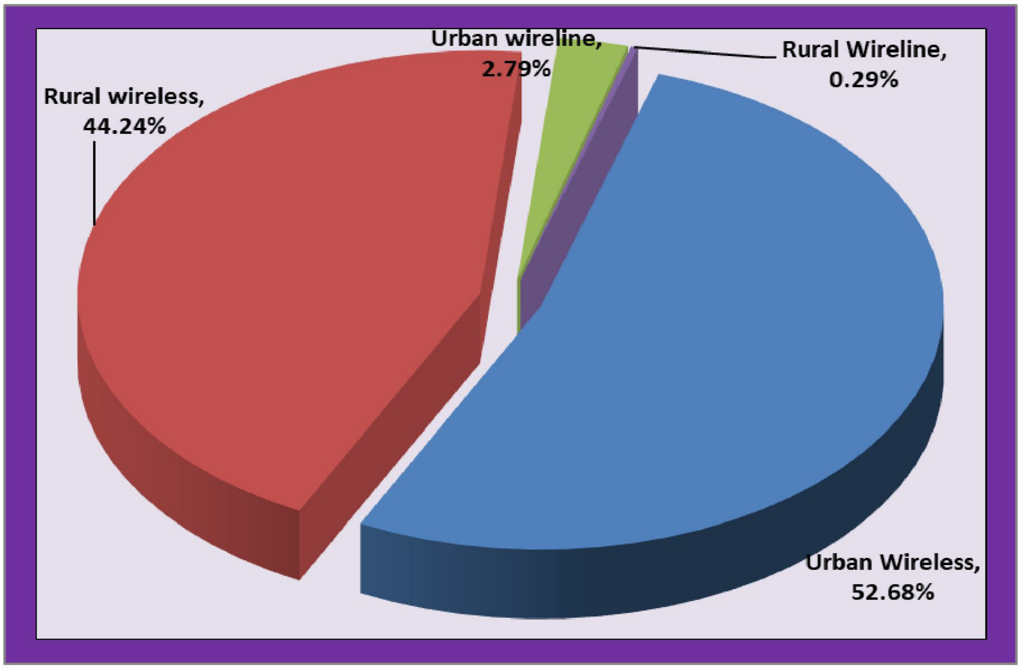

19. इस तिमाही के दौरान 13.10 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ कुल वायरलेस (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत तक बढ़कर 1,163.76 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत तक 1,150.66 (मोबाइल) मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.14% की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 0.15% की ह्रास दर दर्ज की गयी।

20. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.92% की तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2025 के अंत में बढ़कर 82.42% (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए) हो गया जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 81.67% (मोबाइल) था।

21. इस तिमाही के दौरान 6.33 मिलियन उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत तक बढ़कर 1,156.99 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत तक 1,150.66 मिलियन

थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.55% की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 0.73% की ह्रास दर दर्ज की गयी।

22. वायरलेस (मोबाइल) दूरसंचार घनत्व 0.33% की तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2025 के अंत में बढ़कर 81.94% हो गया जो कि दिसम्बर, 2024 के अंत में 81.67% था।

23. इस तिमाही के दौरान, सभी एलएसए में वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस बेंचमार्क के संदर्भ में निम्नलिखित मापदंडों का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है: -

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1	इंटरकनेक्शन का बिंदु (पीओआई) भीड़भाड़ (90वां प्रतिशत मूल्य)	≤ 0.5%
2	कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच	≥ 95%
3	90 सेकंड के भीतर ऑपरेटरों द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत (आवाज से आवाज तक)	≥ 95%
4	ग्राहक के अनुरोध की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों के भीतर सेवा की समाप्ति/बंद करना	100%

24. इस तिमाही के दौरान, सभी एलएसए में सभी एक्सेस सेवा (वायरलेस) प्रदाताओं द्वारा पूरी तरह से अनुपालन किए गये क्यूओएस मापदंडों की सूची:-

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1	संचयी डाउनटाइम (सेल्स सेवा के लिए उपलब्ध नहीं)	≤ 2%
2	महत्वपूर्ण नेटवर्क आउटेज का प्रतिशत (4 घंटे से अधिक समय तक जिले में सेवाएं उपलब्ध नहीं) आउटएज की शुरुआत के 24 घंटे के भीतर प्राधिकरण को रिपोर्ट किया गया	100%
3	कॉल सेट-अप सफलता दर: इंट्रा- सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता के नेटवर्क के भीतर)	≥ 98%
4	कॉल सेट-अप सफलता दर: अंतर-सेवा प्रदाता (अन्य	≥ 95%

	सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क से आने वाले)	
5	इंटरकनेक्शन का बिंदु (पीओआई) भीड़भाड़ (90वां प्रतिशत मूल्य)	≤ 0.5%
6	सर्किट स्विच (2जी/3जी) नेटवर्क के लिए डीसीआर स्थानिक वितरण उपाय [सीएस_क्यूएसडी (88, 88)]	≤ 2%
7	पैकेट स्विच्ड नेटवर्क (4जी/5जी और उससे आगे) के लिए डाउनलिंक पैकेट ड्रॉप रेट [डीएलडीआर_क्यूएसडी 88, 88)]	≤ 2%
8	विलंबता (4जी और 5जी नेटवर्क में)	≤ 75 एमएसईसी
9	पैकेट ड्रॉप रेट (4G और 5G नेटवर्क में)	≤ 3%
10	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतें	≤ 0.1%
11	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतों के समाधान या दोषों के सुधार या महत्वपूर्ण नेटवर्क आउटेज के सुधार की तारीख से एक सप्ताह के भीतर ग्राहक के खाते में समायोजन का आवेदन, जैसा कि लागू हो 100%	100%
12	ग्राहक के अनुरोध की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों के भीतर सेवा की समाप्ति/बंद करना	100%
13	सेवा बंद होने या सेवा का प्रावधान न करने के 45 दिनों के भीतर रिफंड	100%

25. सभी सेवा क्षेत्रों में सभी ब्रॉडबैंड (वायरलाइन) सेवा प्रदाताओं द्वारा पूरी तरह से अनुपालन किए गये क्यूओएस मापदंडों की सूची:-

क्र.सं.	**पैरामीटर**	**बेंचमार्क**
1	विलंबता	<=50 एमएसईसी
2	पैकेट ड्रॉप रेट	<=1%
3	आईएसपी गेटवे नोड [इंट्रा-नेटवर्क] या इंटरनेट एक्सचेंज प्वाइंट लिंक (एस) के लिए किसी भी ग्राहक की अधिकतम बैंडविड्थ उपयोग	<=80%
4	जिटेर (Jitter)	≤ 40 एमएस
5	कॉल सेंटर / ग्राहक सेवा की पहुंच	≥ 95%

26. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल लगभग 918 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।

27. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 908 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 31 मार्च 2025 तक, 333 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 333 सैटेलाइट पे चैनलों में, 232 एसडी और 101 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

28. देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या मार्च 2025 के अंत में 4 थी।

29. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 31 मार्च, 2025 को लगभग 56.92 मिलियन थी। यह संख्या दूरदर्षन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है। कुल सक्रिय ग्राहक बेस दिसम्बर 2024 तिमाही में 58.22 मिलियन से घटकर मार्च 2025 तिमाही में 56.92 मिलियन हो गया है।

30. 31 दिसंबर 2024 को एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा ट्राई को रिपोर्ट किए गए डेटा के अनुसार, अखिल भारतीय रेडियो - सार्वजनिक प्रसारक द्वारा संचालित रेडियो चैनलों के अलावा, 113 शहरों में 388 परिचालन निजी एफएम रेडियो चैनल थे जो 36 निजी एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा संचालित थे। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान, तीन निजी एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा संचालित छह चैनल, अर्थात् (i) डिजिटल रेडियो (दिल्ली) ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड (3 चैनल), (ii) डिजिटल रेडियो (मुंबई) ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड (2 चैनल), और (iii) डिजिटल रेडियो (कोलकाता) ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड (1 चैनल) का दक्षिण एशिया एफएम लिमिटेड में विलय कर दिया गया था। अब, 31 मार्च 2025 तक, 33 निजी एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा संचालित 113 शहरों में 388 परिचालन निजी एफएम रेडियो चैनल हैं।

31. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 466.63 करोड़ है जबकि 31 दिसम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 500.11 करोड़ रूपये थी।

32. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2025 को देश में कुल 531 सामुहिक रेडियो स्टेशन चालू हैं।

मुख्य झलकियां

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,200.80 मिलियन
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.91%
शहरी उपभोक्ता	666.11 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	534.69 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	91.47%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	8.53%
दूरसंचार घनत्व	85.04%
शहरी दूरसंचार घनत्व	131.45%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	59.06%
वायरलैस उपभोक्ता (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए)	
वायरलैस (मोबाइल) उपभोक्ता	1,156.99 मिलियन
वायरलैस (5जी एफडब्ल्यूए) उपभोक्ता	6.77 मिलियन
कुल वायरलैस उपभोक्ता	1,163.76 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.14%
शहरी उपभोक्ता	632.57 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	531.18 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.09%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.91%
दूरसंचार घनत्व	82.42%
शहरी दूरसंचार घनत्व	124.83%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.67%
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	59,447 पेगाबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	67,033
वीसैट की कुल संख्या	2,43,663
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	37.04 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-5.67%*
शहरी उपभोक्ता	33.54 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	3.50 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	27.87%
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	72.13%
दूरसंचार घनत्व	2.62%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.39%
शहरी दूरसंचार घनत्व	6.62%
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	10,185

*5जी एफडब्ल्यूए ग्राहकों को वायरलेस श्रेणी में शामिल करने के कारण।

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	98,250 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.93%
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	92,618 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	0.30%
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	79,226 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.66%
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	3.59%
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	969.10 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.11%
नैरोबैंड उपभोक्ता	24.98 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	944.12 मिलियन
वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ता	41.41 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ता	927.70 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	561.42 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	407.69 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	68.63
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	110.79
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	45.03
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	70.90 मिलियन
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	55,052
तिमाही के दौरान सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट में कुल खपत किया गया डेटा (टीबी)	14,329
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	918
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	333
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	56.92 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	531
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	182.95 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	1026 मिनट
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	22.19 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा प्रयोग के लिए औसत मूल्य	9.11 रुपए